Total Pages : 8

AC-232546

M.A. (Semester-I)
Examination, Dec.-Jan. (2025-26)

HINDI

(प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 70

निर्देश- सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। प्रश्नों के समक्ष अंक प्रदर्शित हैं।

वर्ग-अ

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश- किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **1** अंक का है। [10x1=10]

1. (अ) निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

   (i) कवि विद्यापति के गुरू का नाम _____ था।

   (ii) कबीर _____ सार है, और सकल जंजाल।

Scanned with OKEN Scanner

(iii) कबीरदास का लालन-पालन _____ दम्पति ने किया था।

(iv) राधा के पिता का _____ नाम था।

(v) भ्रमरगीत का उद्देश्य _____ की विजय है।

(vi) राघव-चेतन _____ का प्रतीक है।

(ब) निम्नांकित प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखिए :

(vii) विद्यापति की काव्यशैली क्या है?

(क) दोहा-चौपाई

(ख) पद शैली

(ग) सवैया

(घ) सोरठा

(viii) कबीर का दार्शनिक चिन्तन है-

(क) एकेश्वरवादी

(ख) अद्वैतवादी

(ग) द्वैतवादी

(घ) शुद्धाद्वैतवादी

(ix) नागमती का विरह वर्णन है-

(क) छःमासा

(ख) चौमासा

(ग) बारहमासा

(घ) सतमासा

(x) कृष्ण को ब्रज से मथुरा ले जाने आये थे-

(क) उद्धव

(ख) सुदामा

(ग) अक्रूर

(घ) श्रीदामा

(xi) 'हमारे हरि हारिल की लंकरी' किसकी पंक्ति है?

(क) नंददास

(ख) रसखान

Scanned with OKEN Scanner

(ग) कृष्णदास

(घ) सूरदास

(xii) तुलसीदास की भक्ति किस प्रकार की है?

(क) सख्य

(ख) वात्सल्य

(ग) दास्य

(घ) माधुर्य

वर्ग-ब

(अति लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंकों का है। (शब्द सीमा **30** शब्द) [5x2=10]

2. (i) निर्गुण और सगुण भक्ति-काव्य में अन्तर समझाइये।

(ii) कृष्ण अपने सखा उद्धव को किस उद्देश्य से ब्रज भेजते हैं?

(iii) 'कुंडलिनी' शक्ति क्या है?

(iv) रत्नसेन कौन था, उसके सिंघलद्वीप जाने का क्या कारण था?

(v) विद्यापति के आराध्य कौन हैं?

(vi) 'उलटबाँसी' से क्या तात्पर्य है?

(vii) लौकिक और अलौकिक प्रेम का क्या आशय है?

वर्ग-स

(लघूत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **4** अंकों का है। प्रश्न संख्या-**1 अनिवार्य** है। (शब्द सीमा **250** शब्द) [5x4=20]

3. (i) किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(अ) हिरदा भीतर दौ बलै, धूंवा प्रगट न होई

जाके लागी सो लखे, के जिहिं लाई सोई।

झल उठा झोली जली, खपरा फूटिम फूटि।

जोगी था सो रमि गया, आसणि रहा विभूति।

Scanned with OKEN Scanner

(ब) पाट महादेइ! हिये न हारु

समुझि जीउ, चित चेतु सँभारु।।

भौंर कँवल संग होइ मेरावा। सँवरि नेह मालति पहँ आवा

पपिहै स्वाती सौं जस प्रीती। टेकु पियास, बांधु मन थीती

धरतिहिं जैस गगन सौ नेहा। पलटि आव बरषा ऋतु मेहा।

पुनि बसंत ऋतु आव नवेली। सो रस, सो मधुकर, सा बेली।

जिनि अस जीव करसि तू बारी। यह तरिवर पुनि उठिहि संवारी।

दिन दस बिनु सूखि बिधंसा। पुनि सोइ सरवर सोई हंसा।

मिलहिं जो बिछुरे साजन, अंकम भेंटि अहंत।

तपनि मृगसिरा जे सहै, ते अद्रा पलुहंत।

(स) बिलग जनि मानहु, ऊधौ प्यारे

वह मथुरा काजर की कोठरि जे आवहिं ते कारे।

तुम कारे, सुफलकसुत कारे, कारे मधुप भँवारे।

तिनके संग अधिक छवि उपजत कमल नैन मनिआरे।

मानहु नील माट में काढ़े लै जमुना ज्यौं पखारे।

ता गुन स्याम भई कालिंदी सूर स्याम-गुन न्यारे।

(ii) भक्तिकालीन काव्यधाराओं की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(iii) भ्रमरगीत काव्य के आशय एवं स्वरूप की विवेचना कीजिए।

(iv) संतकाव्य का आशय स्पष्ट करते हुए, प्रमुख संत कवियों की चर्चा कीजिए।

(v) संत कवि कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

(vi) नागमती विरह वर्णन की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(vii) कृष्ण भक्ति-काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

वर्ग-द

(दीर्घोत्तरीय प्रश्न)

निर्देश- निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न **10** अंकों का है। (शब्द सीमा **500** शब्द) [3x10=30]

4. (i) "विद्यापति को आप भक्त मानते हैं। अथवा शृंगारी" तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

Scanned with OKEN Scanner

(ii) महाकवि सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(iii) संतकवि कबीरदास के समाज-सुधारक रूप की विवेचना कीजिए।

(iv) 'अयोध्याकांड' के आधार पर तुलसीदास की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

----x----

Scanned with OKEN Scanner